Ambedkar Jayanti

डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के जन्मदिवस के उपलक्ष में जिम्प पायनियर स्कूल ग्राम पीताम्बरपुर पोस्ट आफिस बड़ोंवाला आर्केडिया-ग्रांट देहरादून में अम्बेडकर जयंती मनाई गयी |इसमें कक्षा ६ से १० तक के 176 विद्ध्यार्थियों ने भाग लिया | विद्ध्यार्थियों ने डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये|

विद्ध्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से बताया कि डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के प्रयासों से ही 1950 के संविधान द्वारा ही अन्तिम रूप से अस्पृश्यता को समाप्त किया जा सका तथा छुआछूत को अवैध घोषित किया गया। अब कुएँ, तालाबों, स्नान घाटों, होटल, सिनेमा आदि पर अस्पृश्यता तथा छुआछूत के आधार पर प्रतिबन्ध नहीं लगाए जा सकते । संविधान में लिखित 'डायरेक्टिव प्रिंसीपुल्स' में भी इन बातों पर ज़ोर दिया गया।

श्री नरेश कुमार (पी.जी.टी. बिज़नेस स्टडीज) ने डॉ. अम्बेडकर को सामाजिक न्याय का मसीहा बताया और समस्त संघर्षों के बीच दलितों और पिछड़ों को समानता के अधिकार दिलाने के उनके द्वारा किये गये विभिन्न आन्दोलनों को भी याद किया ।

सभी उपस्थित अद्ध्यापक-अद्ध्यापिकाओं व छात्र-छात्राओं ने यहां प्रतिज्ञा की कि हम कभी भी अपने जीवन में भेदभाव और छूआछूत को जगह नहीं देंगे, यही डॉ. अम्बेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी|

विद्ध्यालय के प्रधानाचार्य श्री जगदीश पाण्डेय ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर ने अपने त्याग और परिश्रम से समाज को रास्ता दिखाया .उन्होंने महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने पर बल दिया वह लोगों से कहा करते थे कि महिलाओं . और अपने बच्चों को शिक्षित कीजिये उन्हें महत्वाकांक्षी बनाइए ताकि समाज और . ज्यादा सुदृढ़ हो सके.

कार्यक्रम का संचालन नीतू कुंवर (टी.जी.टी इंग्लिश) ने किया| कार्यक्रम में सभी अद्ध्यापक-अद्ध्यापिकाएं उपस्थित थे|

Click for Photos here

सम्मान सहित

जगदीश पाण्डेय
प्रधानाचार्य
जिम्प पायनियर स्कूल
ग्राम-पीताम्बरपुर,पोस्ट-बड़ोंवाला
आर्केडिया-ग्रांट
देहरादून

फ़ोन-०८९५८५७५६१२